

DPN 6784

Title: ~~देव लक्षणा~~ / ~~DEVALAKSANA~~

Run. No. 7509

Cat. No.

Micro. No.

Subject

Religion : Hindu / Bauddha

Language : ☒ Skt. / ☒ New. / ☒ Nep. / ☒ Skt.-New. / ☒ Maith.-New. / ☒ New.-Nep. /

Size in cms. 19.5 x 7

Folios 16

Lines (in a page) 7

Compl. / ☒ Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

☒ Scribe / donor *Manikiti Sena*

Date: ☒ NS / ☒ SS / ☒ VS / ☒ KS 714

Ruler / place

Script : ☒ New. / ☒ Dev. / ☒ Bhuj. / ☒ Ran. /

Illus. : *together with sāmaghi (ज्वलं)*

Material : palmleaf / paper / ☒ thyasaphu /

Condition : fine / ☒ damaged by ☒ worms, ☒ rats, ☒ water /

Beginning, colophon, post-colophon :

- ① *देवदेव्या लक्ष्मण सम्पुन जुरो ॥ ताल ५ युति छमण सम्पूर्ण जुरो ॥*
② *आर्यहामापुरी विद्याशाली द्वितीय स्वल्प मन्त्रोच्चारण समाप्त ॥* →

- ④ आर्य महाशीतवती देवद्वारी (चारणी) सप्तम ॥
- ⑤ [आर्य प्रतिशरानाम चारणी] :
- ⑥ आर्य अभयकायनाम चारणि सप्तम ।

Handwritten text in Devanagari script on a palm leaf manuscript. The text is arranged in approximately 12 horizontal lines. The leaf is aged, brown, and shows significant wear and damage, particularly along the right edge where it is torn and irregular. The script is dark and appears to be a form of classical or historical Hindi or Sanskrit.

20

15

10

5

0

CMs

5

10

15

20

25

30

नगाल १ इदं नयिनां अंगुलि ४ इदं नकासमान अंगुलि ४ इदं अंगुलि १४
 यिसिनगाल १ वादा ऊरुग खनका याका वदायन धदाय अंगुलि १० वादा ऊ
 अंगुलि ४ जस ४४ ययिद दाय अंगुलि ४ जस ४४ लयिदन दाय अंगुलि ५ शवा ऊरु
 वाचया लयन इ अंगुलि २ य्या अंगुलि ४ जस इवन दाय गाल १ जस इवन दाय इवन
 नन दाय अंगुलि १ ५ जस ऊव उवव याल इवन दाय अंगुलि १४ लाल ०४ ध वाका या
 मास गाल १ ध ध वाका या यिवन दाय वादा इवान युला वन ध अंगुलि १४ लाल ०४ ध
 ध वाका यवन रेलयि अंगुलि ११ लाल ०४ ध वाका युगाल अंगुलि ४ वन

रलयि गाल १ कफि सख स्वायूगस अंगुलि १४ कथ वाया याल रलयि अंगुलि
 १४ वुगान ध रलयि अंगुलि १४ यो गला ऊरु ई मगाल १ इला ई अंगुलि ५ य्या अंगुलि
 ५ काला ई अंगुलि ३ काला रुयि अंगुलि ३ काला या या ग्या दिला अंगुलि ३ दथ ला
 ई अंगुलि ५ दला यालयि अंगुलि ५ यालां रु अंगुलि ३ रलयि अंगुलि ३ अंगुलि
 रुद अंगुलि ३ था यु अंगुलि ला रलयि अंगुलि ३ याला ई अंगुलि ३ रलयि
 अंगुलि ३ यो इवन ई गाल १ यन रुग अंगुलि ५ रवल गान २ यो गाल १ रवल जा
 या गाल १ यु अंगुलि ५ रुद रुग १२ गुथि अंगुलि १ गुथि न वा अंगुलि

एतन्मन्त्रं वक्ष्यामि ते साहसं यमदत्तं ॥ एवमया धृतमकास्मिन्मयराज्यं
 राजगुह्यं विदुर्वागिन्सि गृध्रकण्ठमद्वैतं दक्षिणयाशावृक्षगोत्रं वनदृक्कचरा
 वलवणुमरुगारि कुसुधनसाद्यमद्वैतयादशा लिङ्गं शिखागुमनुपदानासि
 लोकलाथगुह्यं हिमरास्याद्यथ्यदारासुखं जून् जून् ॥ उरु टादलु मरुव
 सुखं स्वर्गं हविर्गर्गलं निमिज्जं निमिज्जालनिस्वाला नान्काथसधस
 त्वानाव सवेदिद्यागुह्यं हिमरास्याद्यथ्यदारासुखं जून् जून् ॥ वलववववरा
 वलनिधाय सुखसुखं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं

समं वरागुपाकं जून् ॥ धर्मयुक्तं दिशि विदिशि विद्युच्छस्त्राह्वा मूवल्सम
 सवेद्वानास्त्रस्त्राह्वास्याद्यथ्यदारासुखं स्वनिखलि मरुव मवलनिधाय
 वल साव साव वज्रं सुनिह निपाकं सुवर्गं लनिधाय साववनि जून्
 न वनवत सुवपाकं सावहमं सुयवस्य सुयनिधायस्त्राह्वा मूमायालि
 न विद्यामस्मिन्कावदवावरास्याद्यथ्यदारासुखं विवद विवल विवद वि
 मलं वलवलवल् वन्दुवलेलि जून् निधायस्त्राह्वा नानागव्यसुथयू
 निवृत्ततासवेयोयकास्याद्यथ्यदारासुखं वानवनि वावलि वावलि

माय सूर्यः यं च रुविद्यमिवागद्यथा ॥ अंगारका वनेगा स सातैकनगा सासद
 सि ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥
 अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥
 अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥
 अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥
 अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥
 अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥
 अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥ अंगारका वनेगा ॥

यानमः यौसीद्याय ॥ नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥
 यादवसि मयैव द्याय ॥ नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥
 नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥
 विद्यामहात्मना ॥ नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥
 समो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥
 लक्ष्मीलयागना ॥ नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥
 यति आकाशविष्णु ॥ नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥ नमो रोगवन्ममक ॥

20

15

10

5

गवा सवोकायोलि साधकायिअदि १०० माविमादहृय नागितिकु वा दिवमनि
कृत्वा यावदाययिद्यति तस्यादरगवत्सर्वसत्त्वानां धनधानी सुवर्णं किमपि
वज्रं मलिनत्वादिको आजनय सदाययिष्यामि ॥ ॥ ॐ नमो नत्त गुणाय ॥
ॐ नमो मादिरुडाय महायक भूनाय नय थरुम ॥ ॥ ॐ हिनिसा लरुड ॥
हिनिस मादिरुड ॥ किलिस मादिरुड ॥ किलिस मादिरुड ॥ किलिस मादिरुड ॥ किलिस मादिरुड ॥
१ मादिरुड ॥ किलिस मादिरुड ॥ किलिस मादिरुड ॥ किलिस मादिरुड ॥ किलिस मादिरुड ॥
किलिस मादिरुड ॥ किलिस मादिरुड ॥ किलिस मादिरुड ॥ किलिस मादिरुड ॥ किलिस मादिरुड ॥

0 CMS 5 10 15 20 25 30

[illegible][illegible]

१६२

॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥
॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥
॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥

॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥

॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥ शुभसम्बन्ध ॥ ४२ ॥



20

15

10

5

0

CM

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in Devanagari script on a palm leaf manuscript. The text is arranged in two columns, with the right column containing five lines and the left column containing four lines. The script is a form of Devanagari, likely from a historical period. The leaf shows signs of age, including discoloration and some damage along the edges.

Right column (top to bottom):
(ॐ नमो भगवते वासुदेवाय)
(ॐ नमो भगवते वासुदेवाय)
(ॐ नमो भगवते वासुदेवाय)
(ॐ नमो भगवते वासुदेवाय)
(ॐ नमो भगवते वासुदेवाय)

Left column (top to bottom):
(ॐ नमो भगवते वासुदेवाय)
(ॐ नमो भगवते वासुदेवाय)
(ॐ नमो भगवते वासुदेवाय)
(ॐ नमो भगवते वासुदेवाय)

(+) ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

20

15

10

5

0

CMS

5

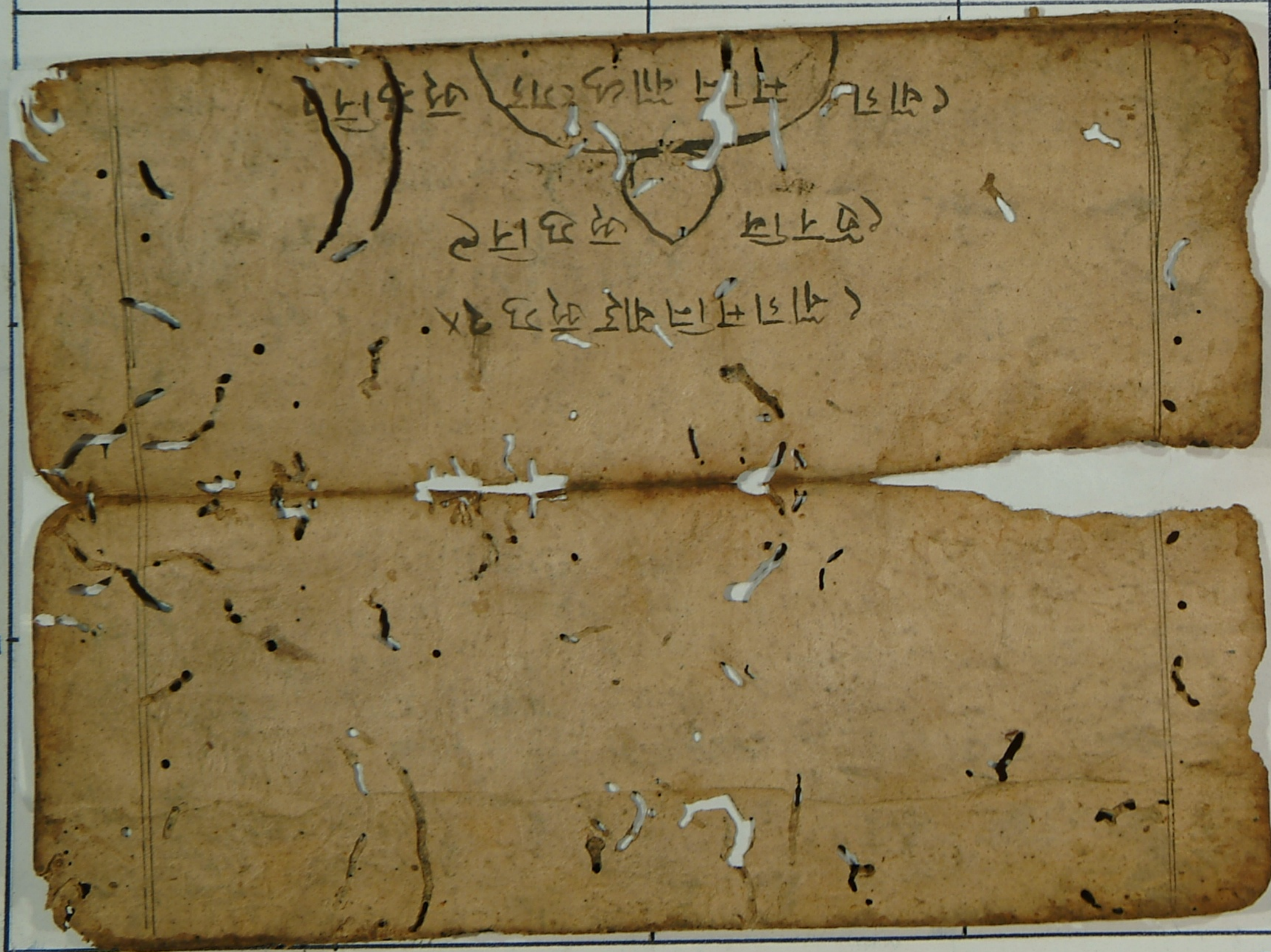
10

15

20

25

30



Handwritten text in a script, possibly Indic or Persian, visible on the upper portion of the fragment. The text is arranged in three lines, with the first line being the most legible. The script appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The text is written in dark ink on the light brown paper.

ॐ ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 कथं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

८ नागमुनिशङ्ख २४.

रि न नि अ उ नि ए

सावित्री का कुल्लुगल जल नि

८३५

ने १६ वां सामान

८६ मं ५५ नि ५

॥ भाद्रपद ॥

सिद्धिर्वाप्तये

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मोक्षनकाशमि

१॥१०३३३

57

卷之四

12

॥

५-रा

मत्स्य

यि
नवि

३५

३३

189
33

॥ ५ ॥

This image shows a blank, aged, cream-colored page, likely an endpaper or flyleaf of a book. The paper has a slightly textured appearance with some faint smudges and discoloration, characteristic of old paper. There is no text or other markings on the page.

--	--

--	--

[illegible]

१ मि ल इ म ड
 क्रो ग क्रा ज उ ३
 क्रो स त्र व ०
 य ड ॥ (क्रो)
 क्रो ५ ३ ७ ४
 मे श्री ३
 क्रो ड ५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच
 द्रुपदमुनिमुपसंगम्य
 तं ब्रूयामास ॥

स्वाध्याय इत्येवायं
मोक्ष कर्तव्यं प्रवर्तमानं
तन्निर्वाणम्

गणमिहीन-ज॥ खब
११३

[illegible][illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 जे लहान विद्वान् जगत्पुत्र
 जे सदा ब्रह्मचर्य गाव
 धेनूसा ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥